



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 311]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 13, 2018/भाद्र 22, 1940

No. 311]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 13, 2018/BHADRA 22, 1940

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 2018

सं० 39/2015-2020

विषय: जहां प्राकृतिक रबड़/सिल्क के आयात हेतु अग्रिम प्राधिकार-पत्र जारी किया गया है, वहां आयात से पूर्व किए गए निर्यात हेतु ईओडीसी के नियमितीकरण और जारी करने के लिए एककालिक छूट प्रदान करने के संबंध में।

फा. सं. 01/94/180/230/एम-19/पीसी-4.—विदेश व्यापार नीति 2015-2020 के पैरा 1.03 और 2.58 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्वारा जारी किए गए उन अग्रिम प्राधिकार पत्रों/डीएफआईए के नियमितीकरण के लिए एककालिक छूट प्रदान करते हैं जहां कुछ निविष्टियां परिशिष्ट-30क और परिशिष्ट 4ज में मौजूद हैं।

2. सिल्क और रबड़ उत्पादों के निर्यातकों से ऐसे विभिन्न अभ्यावेदन प्राप्त किए गए हैं जिसमें कहा गया है कि यद्यपि आयात-पूर्व शर्त का औषधियों को छोड़कर परिशिष्ट-30 क में विशिष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है, क्षेत्रीय प्राधिकारी यह मानकर ईओडीसी जारी करने से इंकार कर रहे हैं कि परिशिष्ट 30 क में सूचीबद्ध वस्तुएँ आयात-पूर्व शर्त के अधीन हैं और आयात से पूर्व किए गए निर्यात का हिसाब नहीं रखा जा सकता। निर्यातकों ने सार्वजनिक सूचना-35 दिनांक 11.09.2015 के माध्यम से किए गए भूतलक्षी संशोधन से संबंधित मुद्दे को भी उठाया है जिसमें प्राकृतिक रबड़ पर आयात-पूर्व शर्त 01.04.2015 से अधिरोपित की गई थी। पीआरसी में ऐसे मामलों में रियायत हेतु अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं जिसमें क्षेत्रीय प्राधिकारी/प्राधिकारियों ने प्राधिकार पत्रों से संलग्न शर्तों की शीट पर 'आयात-पूर्व शर्त' अधिरोपित नहीं की और ईओडीसी आयात-पूर्व शर्त के उल्लंघन के कारण जारी नहीं किया जा रहा है। ऐसे सभी मामलों में 'आयात-पूर्व शर्त' का पालन किए बिना निर्यात एवं आयात पहले ही किए गए हैं। निर्यातकों ने ऐसे सभी मामलों में राहत मांगी है जिनमें निर्यात प्राधिकार पत्र के अनुसार निर्धारित दायित्व अवधि के भीतर निर्यात पूरा किया गया है और तत्पश्चात् आयात किया गया है। उन्होंने यह मांग रखी है कि उन्हें नीति एवं प्रक्रिया तथा तत्संबंधी कार्यान्वयन में अस्पष्टता के लिए दंडित नहीं किया जाए।

3. अतः निर्यातकों को पेश आ रही वास्तविक कठिनाईयों को ध्यान में रखते हुए "प्राकृतिक रबड़" और 'सिल्क' के आयात हेतु पहले ही जारी उन प्राधिकार-पत्रों पर परिशिष्ट 30 क और परिशिष्ट 4ज की शर्तों में छूट देने का निर्णय लिया गया है जिनमें प्राधिकार पत्र के अनुसार

निर्धारित अवधि के भीतर निर्यात और आयात पहले ही किया जा चुका है। यह सुविधा केवल ईओडीसी के नियमितीकरण जारी करने के लिए ही है। तथापि यह छूट केवल उन प्राधिकार-पत्रों पर लागू होगी जहां 'आयात-पूर्व शर्त' को अग्रिम प्राधिकार-पत्र/डीएफआईए के साथ संलग्न शर्त-पत्र पर क्षेत्रीय प्राधिकारियों द्वारा पृष्ठांकित नहीं किया गया है तथा आयात और निर्यात प्राधिकार-पत्र की निर्धारित वैधता-अवधि के अंदर पूरा किया गया है। तथापि, आगे किसी आयात और निर्यात को अनुमत नहीं किया जाएगा। यह छूट आयात पर आईजीएसटी छूट का लाभ उठाने के लिए निर्धारित पूर्व-आयात शर्त को समाप्त नहीं करती।

आलोक वर्धन चतुर्वेदी, महानिदेशक, विदेश व्यापार
पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 13th September, 2018

No. 39 /2015-2020

Subject: One time relaxation for regularisation and issue of EODC for exports made prior to imports where Advance Authorisation issued for import of Natural Rubber/ Silk –reg.

F.No. 01/94/180/230/AM19/PC-4.—In exercise of powers conferred under paragraph 1.03 and 2.58 of the Foreign Trade Policy 2015-2020, the Director General of Foreign Trade hereby grants one time relaxation for regularisation of Advance Authorisations/DFIAs issued, where some inputs appear in Appendix-30A and Appendix-4J.

2. Various representations have been received from exporters of Silk and Rubber products that even though pre-import condition has not been specifically mentioned in Appendix-30A except for drugs, RAs are denying issuance of EODC on the assumption that items listed in Appendix-30A are subjected to pre-import condition and exports made prior to imports cannot be accounted. Exporters have also raised the issue related to retrospective amendment made through Public Notice-35 dated 11.09.2015 wherein pre-import condition on Natural Rubber was imposed w.e.f 01.04.2015. Representations were received in PRC for seeking relaxation where RAs did not impose 'Pre-import condition' on the condition sheet attached to the Authorisations and EODC is being denied on account of violation of pre-import condition. In all such cases exports and imports have already been made without adhering to 'Pre-import Condition'. Exporters have sought relief in all such cases where exports have been completed within stipulated EO period as per authorisation and imports were made subsequently. They have represented that they should not be penalised for ambiguity in the Policy and Procedures and implementation thereof.

3. Therefore, taking into consideration the genuine hardship being faced by exporters, it has been decided to relax the conditions of Appendix-30A and Appendix-4J on Authorisations already issued for import of 'Natural Rubber' and 'Silk' where exports and imports have already been made within the stipulated period as per Authorisation. This facility is allowed only for regularisation and issue of EODC. This relaxation, however, shall be applicable only on the Authorisations where "pre-import condition" has not been specifically endorsed by RAs in the condition sheet attached

to the Advance Authorisations/DFIAs and import and exports are completed within the stipulated validity of the Authorisation. However, no further imports or exports shall be allowed. This relaxation does not waive pre-import condition prescribed for availing IGST exemption on imports.

ALOK VARDHAN CHATURVEDI, Director General of Foreign Trade
Ex-officio Addl. Secy.